

# 注音成语溯源

杨天戈 编著

外語教學與研究出版社

# 汉 语 成 语 溯 源

杨 天 戈 编 著

外 語 教 學 研 究 出 版 社

# 汉语成语溯源

杨天戈 编著

---

外文出版社出版

(北京外国语学院23号信箱)

北京第二外国语学院印刷厂排版

国防工业出版社印刷厂印刷

新华书店北京发行所发行

全国各地新华书店经售

开本787×1092 1/32 5·5 印张 110千字

1982年7月第1版 1982年7月北京第一次印刷

印数1—150,000册

---

书号：9215·159 定价：0.68元

## 前　　言

翻检建国前后出版的各种语文工具书，发现其中关于成语语源的考证，常有失当的地方。对于这些工具书中的错误，笔者根据手中的资料，写过一些考据性的小文章，在国内一些语文刊物上发表。现在累积起来，加上未及发表的部分，共考证成语（包括少量其它类型的熟语）五百余条。这五百余条成语大致属于下面三种情况：一，建国前后各种有影响的语文工具书未曾收录过的；二，虽已收录但尚未考明出处的；三，对出处的考证不恰当、有错误的。由此可见，笔者编写本书的目的，是为现行各种语文词典、成语词典作一些补苴罅漏的工作。这样一本小册子，可以作为一种拾遗补阙的小型成语词典来使用，也可以为语源研究及辞书编纂工作提供一些参考性的意见和资料。

汉语存在数量极为丰富的成语、谚语及各种熟语。对于它们的形成和演变的历史，我们还是所知不多的。这给我们的语源研究工作和辞书编纂工作提出了艰巨而繁重的工作任务。我们现在做的这一小部分工作是微不足道的。我们希望本书所述比之现有各种语文词典有所前进，但毕竟所见有限，这些考证也还未必就是最后的结论，希望读者予以指正。

五百余条成语按笔划顺序排列，前加音序索引，以备查考。

本书用汉语拼音字母分别给成语中单个汉字注音。成语中

出现的“一”、“七”、“八”、“不”等字一律不变调，“一”均作yī，“七”均作qī，“八”均作bā，“不”均作bù。

编写本书时经常参考的是以下几种语文辞典：

- ①《现代汉语成语词典》（范方莲等编，商务印书馆1958年）简作：范方莲等编《成语词典》
- ②《汉语成语小词典》（北京大学中文系1955级语言班编，商务印书馆1972年第三次修订）简作：商务《成语小词典》
- ③《现代汉语词典》（社会科学院语言研究所编，商务印书馆1978年）简作：《现代汉语词典》
- ④《汉语成语词典》（甘肃师范大学中文系编，上海教育出版社1978年）简作：甘肃师大《成语词典》
- ⑤《汉语常用成语手册》（鲁歌、陆永俊、孙玉湊编，内蒙古出版社1978年）简作：内蒙古《成语手册》
- ⑥《辞海·语词分册》（上海辞书出版社1979年）简作《辞海·语词分册》
- ⑦《辞源》（第一、二册）（商务印书馆1979年）简作《辞源》

编著者

一九八一年五月二十二日

## 音序目录

|             |     |
|-------------|-----|
| B           |     |
| 八字没一撇       | 5   |
| 白手起家        | 44  |
| 白纸黑字        | 44  |
| 半身不撮        | 46  |
| 半信半疑        | 47  |
| 报仇雪耻        | 74  |
| 卑躬屈膝        | 95  |
| 背槽抛粪        | 107 |
| 笨鸟先飞        | 137 |
| 鼻息如雷        | 151 |
| 闭门屋里坐，祸从天上来 | 67  |
| 扁担没孔，两头打塌   | 111 |
| 宾客盈门        | 128 |
| 冰冻三尺，非一日之寒  | 68  |
| 兵多将广        | 77  |
| 博采众议        | 140 |
| 博览群书        | 140 |
| 不出门知天下事     | 23  |
| 不辞劳苦        | 27  |
| 不服水土        | 26  |
| 不攻自破        | 25  |
| 不苟言笑        | 25  |
| 不露锋芒        | 28  |
| 不露斧凿痕迹      | 28  |
| 不谋而合        | 26  |
| 不能自拔        | 27  |
| 不识大体        | 25  |
| 不是冤家不聚头     | 26  |
| 不无遗憾        | 22  |
| 不因一事，不长一智   | 24  |
| 不远万里        | 25  |
| 不约而同        | 24  |
| 不在话下        | 23  |
| 不至于此        | 23  |
| 步步登高        | 75  |
| 步履蹒跚        | 75  |
| C           |     |
| 残羹馊饭        | 106 |
| 苍蝇不钻没缝的蛋    | 74  |

|          |     |         |     |
|----------|-----|---------|-----|
| 长江后浪催前浪  | 30  | 胆战心惊    | 112 |
| 沉默寡言     | 83  | 淡而无味    | 139 |
| 陈叔宝全无心肝  | 76  | 刀山剑树    | 8   |
| 成家立业     | 66  | 道貌岸然    | 147 |
| 惩恶劝善     | 145 | 得风就是雨   | 136 |
| 吃着碗里看着锅里 | 57  | 得饶人处且饶人 | 137 |
| 叱咤风云     | 42  | 得缩头时且缩头 | 137 |
| 愁肠百结     | 150 | 等而下之    | 146 |
| 出人意表     | 47  | 滴水不漏    | 153 |
| 出水芙蓉     | 47  | 低心下意    | 78  |
| 穿一条裤子    | 114 | 地动山摇    | 50  |
| 春雨如油     | 103 | 顶天立地    | 91  |
| 唇焦舌干     | 121 | 东倒西歪    | 40  |
| 寸步难移     | 10  | 杜绝人事    | 74  |
| 措手不及     | 133 | 度日如年    | 113 |

#### D

|             |     |
|-------------|-----|
| 大败亏输        | 10  |
| 大彻大悟        | 9   |
| 大拇指头挠痒,随上随下 | 10  |
| 大难不死,必有后禄   | 10  |
| 大失所望        | 9   |
| 大兴土木        | 9   |
| 担惊受怕        | 90  |
| 担水向河里卖      | 90  |
| 胆大包身        | 112 |
| 胆战心寒        | 113 |

|         |     |
|---------|-----|
| 胆战心惊    | 112 |
| 淡而无味    | 139 |
| 刀山剑树    | 8   |
| 道貌岸然    | 147 |
| 得风就是雨   | 136 |
| 得饶人处且饶人 | 137 |
| 得缩头时且缩头 | 137 |
| 等而下之    | 146 |
| 滴水不漏    | 153 |
| 低心下意    | 78  |
| 地动山摇    | 50  |
| 顶天立地    | 91  |
| 东倒西歪    | 40  |
| 杜绝人事    | 74  |
| 度日如年    | 113 |
| 短兵相接    | 145 |
| 对答如流    | 43  |

#### F

|           |    |
|-----------|----|
| 发思古之幽情    | 60 |
| 凡人不可貌相    | 14 |
| 返老还童      | 79 |
| 防民之口甚于防川  | 58 |
| 防微杜渐      | 58 |
| 放长线钓大鱼    | 99 |
| 放下屠刀,立地成佛 | 99 |
| 飞禽走兽      | 15 |

|                     |     |
|---------------------|-----|
| 废寝忘食                | 100 |
| 焚尸扬灰                | 142 |
| 粪坑里的石头，又臭又硬         | 147 |
| 风卷残云                | 31  |
| 风起云涌                | 31  |
| 风恬浪静                | 31  |
| 逢人只说三分话，未<br>可全抛一片心 | 124 |
| 逢山开路，遇水搭桥           | 124 |
| 釜底抽薪                | 122 |
| 俯首听命                | 121 |

### G

|             |     |
|-------------|-----|
| 改邪归正        | 84  |
| 甘拜下风        | 40  |
| 肝肠寸断        | 81  |
| 感慨系之        | 150 |
| 纲举目张        | 85  |
| 高不成，低不就     | 125 |
| 高朋满座        | 125 |
| 高深莫测        | 126 |
| 高谈阔论        | 126 |
| 各尽所能        | 66  |
| 攻心为上        | 73  |
| 共君一席话，胜读十年书 | 49  |
| 狗急跳墙        | 97  |
| 狗血喷头        | 96  |

|        |     |
|--------|-----|
| 苟延残喘   | 89  |
| 孤军奋战   | 103 |
| 谷贱伤农   | 79  |
| 骨肉至亲   | 110 |
| 骨瘦如柴   | 110 |
| 固执己见   | 94  |
| 瓜儿拣软的捏 | 45  |
| 挂羊头卖狗肉 | 106 |
| 管弦繁奏   | 152 |
| 光明磊落   | 56  |
| 过来人    | 54  |
| 过目成诵   | 54  |

### H

|                 |     |
|-----------------|-----|
| 寒毛直竖            | 147 |
| 含沙射影            | 80  |
| 撼山易，撼岳家军难       | 153 |
| 号啕大哭            | 41  |
| 好男不当兵，好铁不打钉     | 72  |
| 好心不得好报          | 71  |
| 好好先生            | 71  |
| 浩如烟海            | 129 |
| 荷花虽好，也要绿叶<br>扶持 | 120 |
| 何足挂齿            | 77  |
| 黑白不分            | 144 |
| 洪福齐天            | 117 |

|                           |     |              |     |
|---------------------------|-----|--------------|-----|
| 红颜自古多薄命 .....             | 72  | 家常茶饭 .....   | 128 |
| 厚此薄彼 .....                | 105 | 家喻户晓 .....   | 128 |
| 后悔无及 .....                | 64  | 家贼难防 .....   | 127 |
| 囫囵吞枣 .....                | 77  | 嫁祸于人 .....   | 151 |
| 狐狸打不成，反惹一身骚…              | 96  | 价值连城 .....   | 60  |
| 虎瘦雄心在 .....               | 92  | 见景生情 .....   | 30  |
| 花团锦簇 .....                | 73  | 见死不救 .....   | 30  |
| 画虎画皮难画骨，知人<br>知面不知心 ..... | 89  | 见义勇为 .....   | 29  |
| 还其本来面目 .....              | 75  | 将功补过 .....   | 109 |
| 荒诞不经 .....                | 103 | 将计就计 .....   | 108 |
| 荒淫无度 .....                | 103 | 将心比心 .....   | 108 |
| 回嗔作喜 .....                | 58  | 交头接耳 .....   | 66  |
| 回天再造 .....                | 57  | 矫若游龙 .....   | 136 |
| 回天之力 .....                | 57  | 脚踏两只船 .....  | 138 |
| 回心转意 .....                | 58  | 街谈巷语 .....   | 145 |
| 魂不附体 .....                | 148 | 街头巷尾 .....   | 145 |
| 浑身是口也难分辨 .....            | 117 | 接踵而至 .....   | 133 |
| 火到猪头烂，钱到公<br>事办 .....     | 33  | 金戈铁马 .....   | 97  |
| J                         |     |              |     |
| 机不可失，时不再来 .....           | 49  | 金瓯无缺 .....   | 97  |
| 疾恶如仇 .....                | 126 | 尽心竭力 .....   | 68  |
| 急惊风撞着了慢郎中 .....           | 113 | 精力过人 .....   | 152 |
| 挤眉弄眼 .....                | 107 | 精神抖擞 .....   | 152 |
| 际会风云 .....                | 76  | 精神恍惚 .....   | 153 |
|                           |     | 酒肉朋友 .....   | 129 |
|                           |     | 九霄云外 .....   | 7   |
|                           |     | 旧病复发 .....   | 41  |
|                           |     | 救人一命，胜造七级浮屠… | 134 |

|           |     |            |     |            |  |      |     |       |    |           |  |           |     |    |     |      |    |      |     |     |    |      |     |         |     |      |     |      |     |      |    |      |     |           |  |      |     |    |     |           |  |      |    |    |    |
|-----------|-----|------------|-----|------------|--|------|-----|-------|----|-----------|--|-----------|-----|----|-----|------|----|------|-----|-----|----|------|-----|---------|-----|------|-----|------|-----|------|----|------|-----|-----------|--|------|-----|----|-----|-----------|--|------|----|----|----|
| 居高临下      | 102 | 龙行虎步       | 39  |            |  |      |     |       |    |           |  |           |     |    |     |      |    |      |     |     |    |      |     |         |     |      |     |      |     |      |    |      |     |           |  |      |     |    |     |           |  |      |    |    |    |
| 举目无亲      | 115 | 龙争虎斗       | 39  |            |  |      |     |       |    |           |  |           |     |    |     |      |    |      |     |     |    |      |     |         |     |      |     |      |     |      |    |      |     |           |  |      |     |    |     |           |  |      |    |    |    |
| 举足轻重      | 116 | 露马脚        | 154 |            |  |      |     |       |    |           |  |           |     |    |     |      |    |      |     |     |    |      |     |         |     |      |     |      |     |      |    |      |     |           |  |      |     |    |     |           |  |      |    |    |    |
| 军法从事      | 55  | 乱世英雄       | 77  |            |  |      |     |       |    |           |  |           |     |    |     |      |    |      |     |     |    |      |     |         |     |      |     |      |     |      |    |      |     |           |  |      |     |    |     |           |  |      |    |    |    |
| K         |     |            |     |            |  |      |     |       |    |           |  |           |     |    |     |      |    |      |     |     |    |      |     |         |     |      |     |      |     |      |    |      |     |           |  |      |     |    |     |           |  |      |    |    |    |
| 开方便门      | 21  | 落花有意，流水无情  | 142 |            |  |      |     |       |    |           |  |           |     |    |     |      |    |      |     |     |    |      |     |         |     |      |     |      |     |      |    |      |     |           |  |      |     |    |     |           |  |      |    |    |    |
| 空中楼阁      | 100 | 驴唇马嘴       | 86  |            |  |      |     |       |    |           |  |           |     |    |     |      |    |      |     |     |    |      |     |         |     |      |     |      |     |      |    |      |     |           |  |      |     |    |     |           |  |      |    |    |    |
| 枯木逢春      | 104 | 驴年马月       | 85  |            |  |      |     |       |    |           |  |           |     |    |     |      |    |      |     |     |    |      |     |         |     |      |     |      |     |      |    |      |     |           |  |      |     |    |     |           |  |      |    |    |    |
| 苦海无边，回头是岸 | 88  | 捋虎须        | 121 |            |  |      |     |       |    |           |  |           |     |    |     |      |    |      |     |     |    |      |     |         |     |      |     |      |     |      |    |      |     |           |  |      |     |    |     |           |  |      |    |    |    |
| 快刀斩乱麻     | 83  | 屡战屡败       | 148 |            |  |      |     |       |    |           |  |           |     |    |     |      |    |      |     |     |    |      |     |         |     |      |     |      |     |      |    |      |     |           |  |      |     |    |     |           |  |      |    |    |    |
| L         |     |            |     |            |  |      |     |       |    |           |  |           |     |    |     |      |    |      |     |     |    |      |     |         |     |      |     |      |     |      |    |      |     |           |  |      |     |    |     |           |  |      |    |    |    |
| 拦路虎       | 91  | 绿水青山       | 139 |            |  |      |     |       |    |           |  |           |     |    |     |      |    |      |     |     |    |      |     |         |     |      |     |      |     |      |    |      |     |           |  |      |     |    |     |           |  |      |    |    |    |
| 郎才女貌      | 102 | M          |     |            |  |      |     |       |    |           |  |           |     |    |     |      |    |      |     |     |    |      |     |         |     |      |     |      |     |      |    |      |     |           |  |      |     |    |     |           |  |      |    |    |    |
| 劳逸不均      | 74  | 老而弥笃       | 48  | 忙忙如丧家之狗，急急 |  | 理屈词穷 | 131 | 如漏网之鱼 | 66 | 梁园虽好，不是久恋 |  | 眉头一皱，计上心来 | 118 | 之家 | 139 | 门当户对 | 13 | 量才录用 | 144 | 门外汉 | 12 | 聊以自娱 | 132 | 猛虎不吃傍窝食 | 137 | 料敌如神 | 129 | 面黄肌瘦 | 106 | 灵丹妙药 | 84 | 面面相觑 | 105 | 留得青山在，不怕没 |  | 面如土色 | 105 | 柴烧 | 125 | 灭自己志气，长他人 |  | 龙头蛇尾 | 39 | 威风 | 40 |
| 老而弥笃      | 48  | 忙忙如丧家之狗，急急 |     |            |  |      |     |       |    |           |  |           |     |    |     |      |    |      |     |     |    |      |     |         |     |      |     |      |     |      |    |      |     |           |  |      |     |    |     |           |  |      |    |    |    |
| 理屈词穷      | 131 | 如漏网之鱼      | 66  |            |  |      |     |       |    |           |  |           |     |    |     |      |    |      |     |     |    |      |     |         |     |      |     |      |     |      |    |      |     |           |  |      |     |    |     |           |  |      |    |    |    |
| 梁园虽好，不是久恋 |     | 眉头一皱，计上心来  | 118 |            |  |      |     |       |    |           |  |           |     |    |     |      |    |      |     |     |    |      |     |         |     |      |     |      |     |      |    |      |     |           |  |      |     |    |     |           |  |      |    |    |    |
| 之家        | 139 | 门当户对       | 13  |            |  |      |     |       |    |           |  |           |     |    |     |      |    |      |     |     |    |      |     |         |     |      |     |      |     |      |    |      |     |           |  |      |     |    |     |           |  |      |    |    |    |
| 量才录用      | 144 | 门外汉        | 12  |            |  |      |     |       |    |           |  |           |     |    |     |      |    |      |     |     |    |      |     |         |     |      |     |      |     |      |    |      |     |           |  |      |     |    |     |           |  |      |    |    |    |
| 聊以自娱      | 132 | 猛虎不吃傍窝食    | 137 |            |  |      |     |       |    |           |  |           |     |    |     |      |    |      |     |     |    |      |     |         |     |      |     |      |     |      |    |      |     |           |  |      |     |    |     |           |  |      |    |    |    |
| 料敌如神      | 129 | 面黄肌瘦       | 106 |            |  |      |     |       |    |           |  |           |     |    |     |      |    |      |     |     |    |      |     |         |     |      |     |      |     |      |    |      |     |           |  |      |     |    |     |           |  |      |    |    |    |
| 灵丹妙药      | 84  | 面面相觑       | 105 |            |  |      |     |       |    |           |  |           |     |    |     |      |    |      |     |     |    |      |     |         |     |      |     |      |     |      |    |      |     |           |  |      |     |    |     |           |  |      |    |    |    |
| 留得青山在，不怕没 |     | 面如土色       | 105 |            |  |      |     |       |    |           |  |           |     |    |     |      |    |      |     |     |    |      |     |         |     |      |     |      |     |      |    |      |     |           |  |      |     |    |     |           |  |      |    |    |    |
| 柴烧        | 125 | 灭自己志气，长他人  |     |            |  |      |     |       |    |           |  |           |     |    |     |      |    |      |     |     |    |      |     |         |     |      |     |      |     |      |    |      |     |           |  |      |     |    |     |           |  |      |    |    |    |
| 龙头蛇尾      | 39  | 威风         | 40  |            |  |      |     |       |    |           |  |           |     |    |     |      |    |      |     |     |    |      |     |         |     |      |     |      |     |      |    |      |     |           |  |      |     |    |     |           |  |      |    |    |    |

|             |     |
|-------------|-----|
| 其多          | 92  |
| 明烧栈道，暗渡陈仓   | 93  |
| 明是一盆火，暗是一把刀 | 93  |
| 明眼人         | 94  |
| 明知故犯        | 92  |
| 名山大川        | 65  |
| 莫道君行早，更有早行人 | 120 |
| 谋臣似雨，猛将如云   | 139 |
| 目不转睛        | 43  |
| 目瞪口呆        | 43  |

## N

|         |     |
|---------|-----|
| 那个猫儿不吃腥 | 68  |
| 难逢难遇    | 130 |
| 难能可贵    | 131 |
| 难兄难弟    | 130 |
| 闹中取静    | 101 |
| 能歌善舞    | 130 |
| 泥塑木雕    | 101 |
| 逆来顺受    | 115 |
| 年深日久    | 59  |
| 念念不忘    | 98  |
| 鸟尽弓藏    | 45  |
| 捏两把汗    | 120 |

## P

|            |     |
|------------|-----|
| 爬得高来跌得重    | 96  |
| 排山倒海       | 132 |
| 盘踞要津       | 138 |
| 赔了夫人又折兵    | 144 |
| 碰钉子        | 149 |
| 披肝沥胆       | 90  |
| 皮开肉绽       | 45  |
| 屁滚尿流       | 84  |
| 贫富不均       | 98  |
| 贫贱之交不可忘    | 98  |
| 平步青云       | 40  |
| 破题儿第一回     | 120 |
| 普天下有情人终成眷属 | 147 |

## Q

|      |     |
|------|-----|
| 七颠八倒 | 4   |
| 七手八脚 | 4   |
| 欺善怕恶 | 140 |
| 棋逢敌手 | 140 |
| 奇花异木 | 89  |
| 弃暗投明 | 82  |
| 弃明投暗 | 82  |
| 气愤填膺 | 30  |
| 千奇百怪 | 13  |
| 千头万绪 | 13  |

|           |     |           |     |
|-----------|-----|-----------|-----|
| 千载难逢      | 14  | 忍气吞声      | 85  |
| 前后夹击      | 114 | 任其自然      | 60  |
| 前呼后拥      | 115 | 日出而作      | 29  |
| 前言不及后语    | 115 | 日月重光      | 29  |
| 强打精神      | 148 | 如堕五里雾中    | 70  |
| 亲如兄弟      | 114 | 如花似玉      | 69  |
| 晴天霹雳      | 143 | 如入无人之境    | 69  |
| 顷刻之间      | 102 | 如鱼饮水，冷暖自知 | 70  |
| 趋炎附势      | 141 | 入乡随俗      | 7   |
| 取长补短      | 87  |           |     |
| 取而代之      | 88  | S         |     |
| 全军覆没      | 64  |           |     |
| <b>R</b>  |     |           |     |
| 燃眉之急      | 153 | 三日不见面，不作旧 |     |
| 人不说不知，木不钻 |     | 时看        | 8   |
| 不透        | 5   | 杀人不用刀     | 64  |
| 人逢喜事精神爽   | 7   | 杀人须见血     | 65  |
| 人迹罕至      | 6   | 山中方七日，世上已 |     |
| 人面咫尺，心隔千里 | 6   | 千年        | 12  |
| 人命关天      | 6   | 善有善报，恶有恶报 | 147 |
| 人平不语      | 6   | 上梁不正下梁歪   | 11  |
| 人强马壮      | 7   | 上天无路，入地无门 | 11  |
| 人心不足蛇吞象   | 5   | 上知天文，下知地理 | 11  |
| 人有面，树有皮   | 6   | 蛇无头不行     | 135 |
| 人欲横流      | 7   | 舍命陪君子     | 97  |
| 忍耻偷生      | 85  | 深不可测      | 138 |
|           |     | 深思熟虑      | 138 |
|           |     | 身首异处      | 79  |
|           |     | 身先士卒      | 78  |

|                  |     |                  |     |
|------------------|-----|------------------|-----|
| 伸手不见掌            | 78  | 死马当活马医           | 52  |
| 神不知，鬼不觉          | 117 | 死无葬身之地           | 53  |
| 神机妙算             | 117 | 虽死犹生             | 109 |
| 生擒活捉             | 44  | 虽死之日，犹生之年        | 109 |
| 绳之以法             | 139 | 随波逐浪             | 135 |
| 师老兵疲             | 55  | 损人利己             | 121 |
| 师老民疲             | 54  | 所向披靡             | 95  |
| 石沉大海             | 38  |                  |     |
| 石火电光             | 38  | <b>T</b>         |     |
| 十五个吊桶打水，七<br>上八下 | 3   | 塌了天，还有四个大<br>汉顶着 | 148 |
| 十字街头             | 4   | 泰山崩于前而色不变        | 119 |
| 始终不渝             | 102 | 泰山压卵             | 119 |
| 恃才傲物             | 114 | 太岁头上动土           | 28  |
| 是非自有公论           | 108 | 探头探脑             | 133 |
| 世态炎凉             | 37  | 提纲挈领             | 143 |
| 收攬人心             | 70  | 涕泪交流             | 129 |
| 受降如受敌            | 99  | 涕泗横流             | 129 |
| 树大招风             | 104 | 涕泗交流             | 129 |
| 水乳交融             | 35  | 涕泗滂沱             | 130 |
| 水泄不通             | 34  | 天地不容             | 16  |
| 水中捞月             | 34  | 天府之国             | 17  |
| 顺竿爬              | 112 | 天各一方             | 16  |
| 顺水推舟             | 111 | 天下大乱             | 15  |
| 说东道西             | 118 | 天下无不散的筵席         | 15  |
| 死狗扶不上墙           | 54  | 天有不测风云           | 16  |
| 死了王屠，连毛吃猪        | 52  | 甜言蜜语             | 136 |

|          |     |
|----------|-----|
| 亭亭玉立     | 113 |
| 挺身而出     | 107 |
| 同床异梦     | 56  |
| 同甘共苦     | 56  |
| 同生共死     | 56  |
| 同心协力     | 55  |
| 痛入骨髓     | 146 |
| 土帮土成墙    | 8   |
| 推倒油瓶不扶   | 134 |
| 推而广之     | 133 |
| 无功受禄     | 17  |
| 无家可归     | 20  |
| 无坚不摧     | 20  |
| 无可比拟     | 19  |
| 无巧不成话(书) | 18  |
| 无所顾忌     | 20  |
| 无所忌惮     | 20  |
| 无隙可乘     | 20  |
| 无与伦比     | 17  |
| 五劳七伤     | 22  |
| 物以稀为贵    | 85  |

W

|                     |     |
|---------------------|-----|
| 瓦解冰消                | 29  |
| 外宽内深                | 45  |
| 外柔内刚                | 45  |
| 玩于股掌之上              | 86  |
| 万事大吉                | 10  |
| 亡命之徒                | 14  |
| 王孙公子                | 15  |
| 威风凛凛                | 110 |
| 为人不做亏心事，半<br>夜敲门心不惊 | 33  |
| 为人师表                | 34  |
| 文理不通                | 32  |
| 屋漏更遭连夜雨，船<br>迟又遇打头风 | 118 |
| 无地自容                | 18  |

X

|         |     |
|---------|-----|
| 西北风     | 50  |
| 膝下有黄金   | 153 |
| 席地而坐    | 126 |
| 下情上达    | 8   |
| 仙风道骨    | 44  |
| 纤毫不爽    | 73  |
| 相持不下    | 104 |
| 销患未然    | 146 |
| 骁勇善战    | 119 |
| 笑面虎     | 122 |
| 挟天子以令诸侯 | 106 |
| 血流成河    | 64  |
| 血盆大口    | 63  |
| 泄露天机    | 101 |

|           |     |             |     |
|-----------|-----|-------------|-----|
| 心病难医      | 33  | 羊肉吃不得，空惹一   |     |
| 心不负人，面无惭色 | 32  | 身臊          | 67  |
| 心服口服      | 32  | 腰缠万贯        | 150 |
| 心惊胆战      | 33  | 要得人不知，除非已   |     |
| 心融神会      | 33  | 莫为          | 104 |
| 心如铁石      | 32  | 叶落归根        | 41  |
| 心中有数      | 32  | 一不做，二不休     | 1   |
| 信手拈来      | 111 | 一唱一和        | 3   |
| 兴利除害      | 68  | 一代文宗        | 2   |
| 星移斗换      | 108 | 一刀两段        | 1   |
| 形影不离      | 73  | 一竿子到底       | 3   |
| 幸灾乐祸      | 87  | 一日被蛇咬，十年怕井绳 | 2   |
| 凶神恶煞      | 35  | 一着不慎，满盘皆输   | 3   |
| 胸无点墨      | 123 | 颐指气使        | 149 |
| 胸有城府      | 124 | 以讹传讹        | 35  |
| 雄赳赳，气昂昂   | 143 | 以功补过        | 35  |
| 弦外之音      | 102 | 以简御繁        | 36  |
| 悬崖勒马      | 135 | 以身殉国        | 36  |
| 学非所用      | 101 | 异端邪说        | 69  |
| 雪后始知松柏操   | 132 | 勇而无谋        | 119 |
| Y         |     | 忧国忘家        | 82  |
| 哑子吃黄连     | 109 | 忧心如焚        | 82  |
| 言听计从      | 82  | 忧形于色        | 83  |
| 言无不尽      | 81  | 优游自得        | 60  |
| 眼不见为净     | 134 | 优游自在        | 60  |
| 羊肠小道      | 67  | 悠然自得        | 136 |
|           |     | 由近及远        | 44  |

|                  |     |                   |     |
|------------------|-----|-------------------|-----|
| 有家难奔，有国难投        | 50  | 正大光明              | 37  |
| 有理不在声高           | 51  | 正人君子              | 36  |
| 有其父必有其子          | 50  | 知无不言              | 95  |
| 有钱能使鬼推磨          | 51  | 枝叶扶疏              | 89  |
| 有意无意之间           | 52  | 执迷不悟              | 49  |
| 有缘千里来相会          | 52  | 趾高气扬              | 135 |
| 鱼米之乡             | 99  | 掷地作金石声            | 134 |
| 与世浮沉             | 11  | 忠臣不事二君，烈女<br>不嫁二夫 | 95  |
| 冤家相报             | 128 | 种类繁多              | 110 |
| 云奔雨骤             | 22  | 众口难调              | 65  |
| 云锦天章             | 22  | 众望所归              | 65  |
| 云开见天             | 21  | 竹篮打水              | 59  |
| Z                |     |                   |     |
| 早知今日，悔不当初        | 55  | 砖儿何厚，瓦儿何薄         | 105 |
| 皂白不分             | 78  | 转弯抹角              | 91  |
| 斩尽杀绝             | 91  | 自毁长城              | 63  |
| 站干岸              | 127 | 自欺欺人              | 63  |
| 张三李四             | 84  | 自始至终              | 62  |
| 朝不保夕             | 142 | 自我作古              | 62  |
| 朝令夕改             | 142 | 自由自在              | 61  |
| 朝思暮想             | 142 | 自作自受              | 61  |
| 招降纳叛             | 90  | 钻牛角尖              | 122 |
| 正月十五贴门神，晚<br>了半月 | 37  | 罪该万死              | 149 |
|                  |     | 坐卧不安              | 80  |
|                  |     | 坐以待毙              | 79  |

## 【一画】

【一刀两段】 yī dāo liǎng duàn 比喻彻底割断联系。亦作“一刀两断”。

关于这条成语的起源，现有各种词典的考证是很分歧的。甘肃师大《成语词典》第757页“一刀两断”条下所考出处为《元曲选·无名氏〈争报恩〉二》：“只索便一刀两断，倒大来迭快。”内蒙古《成语手册》564页此条成语之下则引南宋·朱熹《朱子全书·论语九·宪问》：“克己者，是从根源上一刀两断，便斩断了，更不复萌。”又引朱熹《朱子语类·论语十七》：“圣人发愤忘食，乐便忘忧，直是一刀两段，千了百当。”而新版《辞源》第一册11页除引《朱子语类》之外，又引南宋·释普济所辑《五灯会元》卷12：“一刀两段，未称宗师。”

按：以上所引据的几种材料，不早于南宋。我们这里可以补充一条更早的材料，北宋建中靖国年间释惟白所辑之《续传灯录》卷3已有这样的话：“问：汝介山逢尉迟时如何？师曰：一刀两段。”

【一不做，二不休】 yī bù zuò, èr bù xiū 除非不干，要干就干到底，不要中途停顿。

这条成语最早见于唐·赵元一《奉天录》，原为：“传语后人，第一莫作，第二莫休。”这一点，现在各种词典没有分歧。有的词典除了引据《奉天录》之外，还试图考明“第一莫做，第二莫休”这句话，从什么时候起开始简化成为“一不做、二